ज़िलों का प्रदर्शन क्रम निर्धारण सूचकांक और PGI 2.0

प्रिलिम्स के लिये:

जिलों का प्रदर्शन क्रम सूचकांक, एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+), NAS, दक्ष और उत्कर्ष, NEP 2020

मेन्स के लिये:

ज़िलों का प्रदर्शन क्रम सूचकांक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **शिक्षा मंत्रालय** ने **वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के लिये ज़िलों के प्रदर्शन क्रम निर्धारण सूचकांक (PGI-D) पर संयुक्त रिपोर्ट जारी की**।

- शिक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2021-22 के लिये राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों हेतु **प्रदर्शन क्रम निर्धारण सूचकांक** (PGI) 2.0 पर एक रिपोर्ट भी जारी की है।

ज़िलों का प्रदर्शन क्रम निर्धारण सूचकांक (Performance Grading Index for Districts (PGI-D);

- **परिचय:**
  - PGI-D एक व्यापक विश्लेषण के उद्देश्य से एक सूचकांक तैयार कर **ज़िला स्तर पर स्कूली शिक्षा प्रणाली के प्रदर्शन का आकलन** करता है
  - PGI-D द्वारा **एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+), नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS), 2017 और संबंधित ज़िलों द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा सहित विभिन्न स्रोतों से एकत्र किये गए आँकड़ों के आधार पर** स्कूली शिक्षा में ज़िला-स्तरीय प्रदर्शन का आकलन किया गया।
    - वर्ष 2017-18 से, शिक्षा मंत्रालय ने अब तक पाँच वार्षिक रिपोर्ट जारी की हैं जो राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्कूली शिक्षा की स्थिति पर जानकारी प्रदान करती हैं।
- **क्रम:**
  - इस रिपोर्ट में 10 क्रम हैं जिनके अंतर्गत ज़िलों को वर्गीकृत किया गया है:
    - **दक्ष:** उच्चतम (90% से उपर)
    - **उत्कर्ष:** 81% से 90%
    - **अति-उत्तम:** 71%से 80%
    - **उत्तम:** 61% से 70%
    - **प्रचेष्टा-1:** 51% से 60%
    - **प्रचेष्टा-2:** 41% से 50%
    - **प्रचेष्टा-3:** 31% से 40%
    - **आकांक्षी-1:** 21% से 30%
    - **आकांक्षी-2:** 11% से 20%
    - **आकांक्षी-3:** न्यूनतम (10% से कम)
- **संकेतक:**
  - PGI-D संरचना में 600 अंकों के कुल भारांक वाले 83 संकेतक शामिल होते हैं, जिन्हें 6 श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, जैसे **परिणाम**, **प्रभावी कक्षा**, बुनियादी ढाँचा सुविधाएँ और छात्र के अधिकार, स्कूल सुरक्षा तथा बाल संरक्षण, डिजिटल लर्निंग एवं शासन प्रक्रिया।
- **महत्त्व:**

- PGI-D रिपोर्ट की सहायता से **राज्य शिक्षा विभागों द्वारा ज़िला स्तर पर कमियों की पहचान करने** और विकेंद्रीकृत तरीके से प्रदर्शन में सुधार करने में सहायता मिलने की अपेक्षा है।
- हस्तक्षेप क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर विभिन्न ज़िले उच्चतम क्रम तक पहुँचने और समग्र शिक्षा गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं।

रिपोर्ट की मुख्य बिदु:

- **ज़िले के प्रदर्शन पर महामारी का प्रभाव:**
  - कोई भी ज़िला शीर्ष दो ग्रेड (**दक्ष और उत्कर्ष**) प्राप्त करने में सक्षम नहीं था।
  - **अति-उत्तम के रूप में वर्गीकृत** ज़िलों की संख्या **वर्ष 2020-21 में 121 से घटकर वर्ष 2021-22 में 51** हो गई, जो **शैक्षिक प्रदर्शन पर महामारी के प्रभाव को दर्शाता** है।
    - **वर्ष 2020-21** और **वर्ष 2021-22** दोनों में विभिन्न **राज्यों के कई ज़िलों को अति-उत्तम के रूप में वर्गीकृत** किया गया था, जिसमें **आंध्र प्रदेश के कृष्णा और गुंटूर, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, ओडिशा आदि राज्यों के ज़िले** समाहित थे।
- **ग्रेड में परिवर्तन:**
  - वर्ष 2021-22 में, प्रचेष्टा-2 (छठी-उच्चतम श्रेणी) के रूप में वर्गीकृत ज़िलों की संख्या वर्ष 2020-21 में 86 से बढ़कर 117 हो गई।
  - इससे जानकारी प्राप्त होती है कि **कई ज़िलों को महामारी के कारण हुए व्यवधानों के कारण अपना प्रदर्शन बनाए रखने में चुनौतियों का सामना** करना पड़ा।

PGI 2.O

- **परिचय PGI:** PGI राज्य/केंद्रशासित प्रदेश स्तर पर स्कूल शिक्षा प्रणाली के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिये MoE द्वारा तैयार किया गया एक व्यापक मूल्यांकन उपकरण है।
  - यह **विभिन्न संकेतकों के आधार पर प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है और साथ ही व्यापक विश्लेषण के लिये एक सूचकांक तैयार करता है।**
  - PGI को पहली बार वर्ष 2017-18 के लिये जारी किया गया था और इसे वर्ष 2020-21 में अद्यतन किया गया है।

दृष्टि The Vision

Grading education

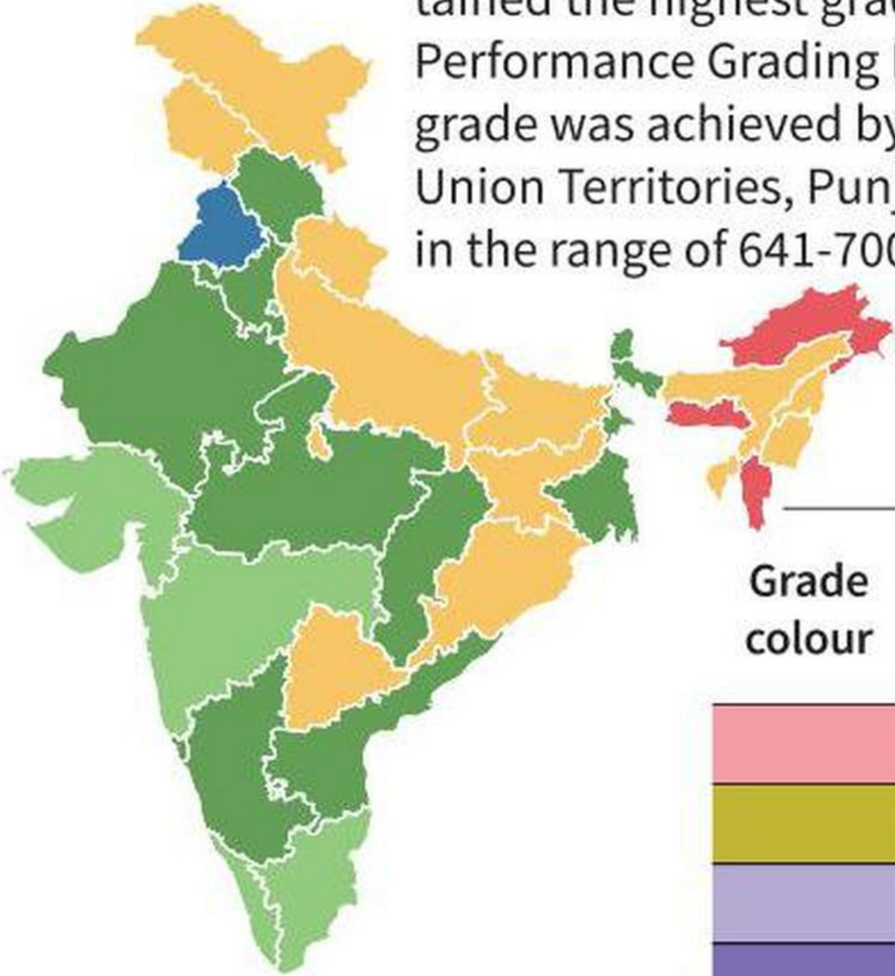

None of the States/Union Territories attained the highest grade (941-1,000) in the Performance Grading Index. The top-most grade was achieved by only two States/Union Territories, Punjab and Chandigarh, in the range of 641-700

Grade colour	Grade score	No. of State/ UTs
	941-1,000	0
	881-940	0
	821-880	0
	761-820	0
	701-760	0
	641-700	2
	581-640	6
	521-580	13
	461-520	12
	401-460	3

- **The PGI score is the aggregate score of six domains of educational attainment of States/Union Territories: Learning outcomes, access, infrastructure and facilities, equity, governance processes and teacher education & training**

- **संशोधित संरचना:** PGI को वर्ष 2021-22 के लिये संशोधित किया गया और इसका नाम बदलकर PGI 2.0 कर दिया गया। नई संरचना में **73 संकेतक शामिल** हैं जिन्हें दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है**:**
  - परिणाम और शासन प्रबंधन (GM), गुणात्मक मूल्यांकन, डिजिटल पहल और शिक्षक शिक्षा पर अधिक बल दिया जाता है।
- **श्रेणियाँ और डोमेन:** PGI 2.0 को **छह डोमेन** में बाँटा गया है:
  - अधिगम परिणाम (LO), पहुँच (A), बुनियादी ढाँचे और सुविधाएँ (IF), इक्विटी (E), शासन प्रक्रिया (GP), और शिक्षक शिक्षा तथा प्रशिक्षण (TE & T)। ये डोमेन शिक्षा प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हैं।
- **ग्रेडिंग प्रणाली:** राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को संकेतकों में उनके अंकों के आधार पर ग्रेड दिये जाते हैं।
  - **ग्रेड उच्चतम दक्ष (941-1000) से लेकर निम्नतम आकांक्षी-3 (401-460) तक** हैं।
- **जाँच - परिणाम:**
  - नवीनतम संस्करण में किसी भी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश ने शीर्ष ग्रेड हासिल नहीं किया।
  - केवल दो राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों, अर्थात् पंजाब और चंडीगढ़ ने ग्रेड प्रचेष्टा-2 (स्कोर 641-700) प्राप्त किया है।
  - आंध्र प्रदेश ने **PGI 2.0 में ग्रेड 8 (श्रेणी: आकांक्षी-1)** हासिल किया है।
  - आंध्र प्रदेश ने वर्ष 2017-18 में कोई ग्रेड नहीं होने से लेकर 901 के स्कोर के साथ स्तर **II** हासिल करने तक पिछले कुछ वर्षों में अपने ग्रेड में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है।

स्कूली शिक्षा से संबंधित सरकारी पहल

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
- समग्र शिक्षा
- मध्याह्न भोजन योजना
- एकलव्य मॉडल स्कूल और राजीव गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप योजना
- प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम।
- सर्व शिक्षा अभियान
- प्रज्ञाता
- मध्याह्न भोजन योजना
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- पीएम श्री स्कूल

स्रोत : पी.आई.बी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/performance-grading-index-for-districts-and-pgi-2-0